आदि शंकराचार्य की प्रतिमा

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश (MP) के मुख्यमंत्री ने खंडवा ज़िले के ओंकारेश्वर में **मांधाता पर्वत** पर **आदि शंकराचार्य** की 108 फीट ऊँची **'स्टैच्यू ऑफ वननेस'** का अनावरण किया और अद्वैत लोक की आधारशिला रखी।

मांधाता की महत्ता:

- मांधाता द्वीप, जो कि **नर्मदा नदी पर स्थित** है, **12 ज्योतिर्लिंगों में से दो ज्योतिर्लिंग**- पहला- द्वीप के दक्षिण की ओर स्थित **ओंकारेश्वर** तथा दूसरा **अमरेश्वर** है।
- इस द्वीप पर 14वीं और 18वीं शताब्दी के **शैव, वैष्णव** तथा **जैन मंदिर** हैं।
- **'ओंकारेश्वर' नाम द्वीप के आकार से लिया गया है**, जो पवित्र शब्दांश **'ॐ'** जैसा दिखता है, और इसके नाम का अर्थ है 'ओंकार के ईश्वर'।

//

आदि शंकराचार्य:

- **परिचय:**
  - **वह आदि शंकर (788-820 ई.पू.)** के नाम से जाने जाते हैं और उनका जन्म **केरल के कोच्चि** के पास कलाडी में हुआ था।
  - उन्होंने 33 वर्ष की आयु में **केदार तीर्थ** पर समाधि ली।
  - वह **शिव के भक्त** थे।
  - ऐसा कहा जाता है कि वह एक युवा भिक्षु के रूप में ओंकारेश्वर पहुँचे थे, जहाँ उनकी भेंट अपने गुरु **गोविंद भगवद्पाद** से हुई थी।
  - वह चार वर्षों तक इस पवित्र शहर में रहे और शिक्षा प्राप्त की।
  - उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में ओंकारेश्वर छोड़ दिया और पूरे देश की यात्रा पर निकल पड़े, उन्होनें **अद्वैत वेदांत दर्शन की शिक्षाओं** का **प्रसार** किया एवं लोगों तक इसके सिद्धांतों को पहुँचाया।
  - उन्होनें अद्वैत सिद्धांत (अद्वैतवाद) का प्रतिपादन किया और **वैदिक सिद्धांत** (उपनिषद, ब्रह्म सूत्र तथा भगवद गीता) पर संस्कृत में कई टिप्पणियाँ लिखीं।
  - वह बौद्ध दार्शनिकों के विरोधी थे।
- **प्रमुख शास्त्र:**
  - **ब्रह्मसूत्रभाष्य (ब्रह्मसूत्र पर भाष्य)**
  - **भजगोविंद स्तोत्र**
  - **निर्वाण षटकम्प्रा**
  - **करण ग्रंथ**
- **अन्य योगदान:**
  - जब बौद्ध धर्म लोकप्रियता हासिल कर रहा था तब वे भारत में **हिंदू धर्म को पुनर्जीवित** करने के लिये काफी हद तक ज़िम्मेदार थे।
  - सनातन धर्म के प्रचार के लिये भारत के चार कोनों **शृंगेरी, पुरी, द्वारका** और **बद्रीनाथ** में **चार मठों की स्थापना** की गई।

अद्वैत वेदांत:

- यह **कट्टरपंथी अद्वैतवाद** की एक दार्शनिक स्थिति को स्पष्ट करता है, एक पुनरीक्षण विश्वदृष्टि जिसे यह प्राचीन उपनिषद ग्रंथों से प्राप्त करता है।
- अद्वैत वेदांतियों के अनुसार, उपनिषद अद्वैत के एक **मौलिक सिद्धांत को प्रकट करते हैं जिसे 'ब्राह्मण' कहा जाता है, जो सभी चीज़ों की वास्तविकता है।**
- अद्वैतवादी ब्राह्मण को व्यक्तित्व और अनुभवजन्य बहुलता से परे समझते हैं।
- वे यह स्थापित करना चाहते हैं कि **किसी व्यक्ति का मूल (आत्मन्) ब्रह्म है।**
- अद्वैत वेदांत इस बात पर ज़ोर देता है कि आत्मा शुद्ध अनैच्छिक चेतना अवस्था में होती है।
- अद्वैत **एक क्षणरहित और अनंत अस्तित्ववादी है तथा संख्यात्मक रूप से ब्रह्म के समान है।**

अन्य प्रसिद्ध मूर्तियाँ:

- **इससे पहले भारत के प्रधान मंत्री (PM) ने 11वीं सदी के** भक्ति संत श्री रामानुजाचार्य **की 1,000वीं जयंती पर उनकी स्मृति में हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र में** स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी **का उद्घाटन किया था।**
- **वर्ष 2018 में PM ने पूर्व उप प्रधान मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की याद में गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन किया।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/statue-of-adi-shankaracharya